गड़बड़झाला

मझौली में आरटीआई और औपचारिक शिकायत के बाद बढ़ी जांच की मांग, टैंडर-भुगतान प्रक्रिया सवालों के घेरे में

नगर परिषद के निर्माण कार्यों पर उठे गंभीर सवाल

मझौली, नवभारत। मझौली नगर परिषद में विगत दो वर्षों के दौरान कराए गए निर्माण कार्य अब सार्वजनिक बहस का विषय बन चुके हैं। भवन निर्माण, नाली, सीसी रोड, आंगनबाड़ी केंद्र एवं सामुदायिक भवन जैसे विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं को लेकर स्थानीय नागरिकों ने सूचना का अधिकार के तहत विस्तृत जानकारी मांगी है और जिला प्रशासन के समक्ष औपचारिक शिकायत भी प्रस्तुत की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर परिषद द्वारा स्वीकृत कार्यों में निविदा प्रक्रिया, तकनीकी स्वीकृति और भुगतान प्रणाली को लेकर शंकाएं व्यक्त की गई हैं। शिकायतकर्ताओं ने विशेष रूप से वार्ड पार्षद के परिवार द्वारा कराए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा है कि कुछ ठेकों के आवंटन में प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि शेष है, लेकिन अभिलेखों की मांग ने प्रशासनिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है।

आरटीआई आवेदन में पिछले दो वर्षों के सभी निर्माण कार्यों की सूची, निविदा प्रकाशन की प्रतियां, चयनित ठेकेदारों का विवरण, तकनीकी स्वीकृति पत्र, मापन पुस्तिका प्रविष्टियां, भुगतान वाउचर और पूर्णता प्रमाण पत्र की प्रतियां मांगी गई हैं। साथ ही, यह भी पूछा गया है कि क्या किसी जनप्रतिनिधि या उनके परिवार से संबंधित व्यक्ति/फर्म को कार्य आवंटित किए गए हैं। शिकायत पत्र में यह तर्क दिया गया है कि यदि निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई या नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो यह मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 तथा राज्य के भंडार क्रय नियमों के विरुद्ध हो सकता है। इसके अलावा, गंभीर स्थिति में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) के तहत भी जांच की मांग की गई है।

इनकी भूमिका संदिग्ध

सूत्रों का कहना है कि परिषद में पदस्थ इंजीनियर और मुख्य नगरपालिका अधिकारी की भूमिका की निष्पक्ष जांच आवश्यक है, क्योंकि तकनीकी स्वीकृतियों और भुगतान अनुमोदन की अंतिम जिम्मेदारी उन्हीं पर होती है। हालांकि, संबंधित अधिकारियों की ओर से अभी तक सार्वजनिक रूप से कोई विस्तृत स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है। वहीं जिला प्रशासन से की गई शिकायत में स्वतंत्र तकनीकी एवं वित्तीय ऑडिट कराने की मांग की गई है। साथ ही, लोकायुक्त स्तर पर भी प्राथमिक जांच दर्ज करने की बात कही गई है, ताकि यदि कोई अनियमितता हो तो तथ्य सामने आ सकें।

प्रशासनिक जवाबदेही तय होना आवश्यक

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विकास कार्यों पर खर्च होने वाला प्रत्येक रुपया सार्वजनिक धन है और उसकी जवाबदेही तय होना आवश्यक है। यदि सभी प्रक्रियाएं नियमों के अनुरूप हुई हैं, तो अभिलेख सार्वजनिक कर संदेह दूर किया जा सकता है। वहीं, यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है, तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। यह मामला अब केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही की परीक्षा बन गया है। आरटीआई और औपचारिक शिकायत के बाद निगाहें अब जिला प्रशासन और जांच एजेंसियों की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। आने वाले दिनों में अभिलेखों का खुलासा और संभावित जांच इस पूरे प्रकरण की दिशा तय करेगी।

स्कूली बच्चों के लिए डाक विभाग की बड़ी पहल

पनागर के बिन्नी बाई जैन कन्या शाला में लगा आधार शिविर

पनागर। प्रवर डाक अधीक्षक के निर्देश में डाक विभाग पनागर द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष आधार शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्थानीय बिन्नी बाई जैन कन्या शाला में लगाया गया, जहां दिन भर चली प्रक्रिया के दौरान 50 से अधिक छात्राओं के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक अपडेट सहित आवश्यक सुधार कार्य किए गए।

डाक विभाग की इस पहल से उन अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें आधार केंद्रों की लंबी कतारों और समयाभाव के कारण बच्चों का आधार अपडेट कराने में कठिनाई का सामना करना पड़ता था। शिविर के दौरान तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने छात्राओं के फिंगरप्रिंट, आईरिस स्कैन और फोटो अपडेट का कार्य पारदर्शिता और तेज़ी के साथ संपन्न किया।

इस अवसर पर डाक विभाग पनागर के सब पोस्ट मास्टर मनोज झारिया एवं प्रतिनिधि अंकित राजपूत ने बताया कि वर्तमान समय में छात्रवृत्ति, प्रवेश प्रक्रिया और विभिन्न शासकीय योजनाओं के लिए आधार अपडेट होना अनिवार्य हो गया है।

उन्होंने कहा कि विभाग का यह जनहितैषी अभियान केवल एक विद्यालय तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में क्षेत्र के अन्य स्कूलों में भी चरणबद्ध तरीके से ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे।इस सराहनीय पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पनागर क्षेत्र का कोई भी विद्यार्थी आधार संबंधी तकनीकी समस्याओं के कारण शिक्षा या शासकीय लाभों से वंचित न रहे।

लाल साड़ी वाली महिला ने किया मासूम के अपहरण का प्रयास

घटना से गोसलपुर में मची सनसनी, बड़ी बहन की बहादुरी से बची जान, एक सप्ताह में दूसरी घटना

सिहोरा, नवभारत। शंकर कॉलोनी में शनिवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ दिनदहाड़े एक मासूम बच्ची के अपहरण की कोशिश की गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और नागरिकों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जाहिर की है।

शाम करीब 4:30 बजे शंकर कॉलोनी निवासी 6 वर्षीय बालिका अपनी बड़ी बहन के साथ घर के पास स्थित बैंक के सामने वाली डेयरी पर दूध लेने जा रही थी। दोनों बहनें अभी रास्ते में ही थीं की अचानक एक अज्ञात महिला ने छोटी बच्ची को जबरन अपने कब्जे में ले लिया और उसे साथ ले जाने का प्रयास करने लगी। अचानक हुए इस हमले से बच्चे सहम गए, लेकिन बड़ी बहन ने हिम्मत नहीं हारी। अपहरणकर्ता की गिरफ्त से अपनी छोटी बहन को बचाने के लिए बड़ी बहन ने तत्काल शोर मचाना शुरू कर दिया। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और राहगीर तुरंत मौके की ओर दौड़े जनसैलाब को अपनी ओर आता देख और पकड़े जाने के डर से आरोपी महिला घबरा गई और बच्ची को छोड़कर गलियों के रास्ते फरार होने में कामयाब रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, संदिग्ध महिला ने लाल रंग की साड़ी पहन रखी थी और उसकी नाक में सोने की एक बड़ी नथ थी। महिला की एक विशेष पहचान उसके गाल पर मौजूद 'मसा' (तिल) बताया जा रहा है ग्रामीणों ने बताया की गोसलपुर बस्ती में एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी घटना है इसके पूर्व गोसलपुर खेरमाता बड़ी बढ़िया के पीछे रहने

गुलाम हुसैन की पांच साल की पुत्री का भी कुछ नवयुवकों द्वारा अपहरण करने की कोशिश की जा रही थी शोर गोल मचाने पर नवयुवक फरार हो गए, घटना की गंभीरता को देखते हुए गोसलपुर पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों से बात कर महिला के हुलिए के आधार पर उसकी तलाश शुरू कर दी है और क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है।

इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और अभिभावकों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है की बच्चों की सुरक्षा के लिए अब ठोस कदम उठाने की जरूरत है। कॉलोनी के निवासियों से अपील की गई है की वे अपने छोटे बच्चों को घर से बाहर अकेला न छोड़ें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

इनका कहना है

ग्रामीणों द्वारा अभी लिखित शिकायत नहीं मिली हालांकि मौके पर पुलिस को पहुंचाया गया था संदिग्ध महिला की तलाश की जा रही है

गाजीवाती पोशाम
थाना प्रभारी गोसलपुर

मझौली वन परिक्षेत्र में किसका संरक्षण?

मझौली संवाददाता। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी ने मझौली वन परिक्षेत्र की हकीकत को बेनकाब कर दिया है। सिहोरा वन परिक्षेत्र अधिकारी (सामान्य) कार्यालय के आधिकारिक जवाब के अनुसार मझौली नगर परिषद सीमा में वन विभाग से न तो कोई आरा मशीन पंजीकृत है और न ही किसी को संचालन की अनुमति या एनओसी दी गई है। इसके बावजूद क्षेत्र में अवैध सागौन कटाई और लकड़ी के अवैध प्रसंस्करण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

विगत 20 जनवरी 2026 को जारी पत्र क्रमांक 114 में वन विभाग ने स्वीकार किया है कि 1 जनवरी 2023 से अब तक आरा

मशीनों के विरुद्ध केवल एक ही प्रकरण दर्ज किया गया है। यह आंकड़ा उस समय और भी चौंकाने वाला हो जाता है, जब पहले भी मझौली में आरा मशीन में अवैध सागौन लकड़ी पकड़े जाने की घटनाएं उजागर हो चुकी हैं।

वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

आरटीआई के तहत मांगी गई बिंदुवार और प्रमाणिक जानकारी पर संतोषजनक जवाब न मिलना वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों का आरोप है कि जब कागजों में एक भी आरा मशीन मौजूद नहीं है, तो फिर जंगल से कट रहा सागौन आखिर कहां जा रहा है और किसके संरक्षण में उसका प्रसंस्करण हो रहा है? यह पूरा मामला अब सिर्फ सूचना का नहीं, बल्कि वन विभाग की पारदर्शिता, जवाबदेही और संभावित मिलीभगत का बन चुका है। क्षेत्रवासियों ने अवैध कटाई, परिवहन और लकड़ी माफिया के नेटवर्क की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए दोषियों और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

उल्लास के साथ मनाया साईं मंदिर का स्थापना दिवस

सिहोरा, नवभारत। स्थानीय साईं मंदिर प्रांगण में रविवार को मंदिर का स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। गौरतलब है कि इस मंदिर की स्थापना 1 मार्च 2002 को हुई थी, जिसके बाद से प्रतिवर्ष इस तिथि को स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 10:00 बजे साईं बाबा और भगवान शंकर के महाअभिषेक के साथ हुआ। मंदिर के व्यवस्थापक मोहनलाल चौरसिया के सानिध्य में पुजारी नीरज पांडे और कार्यक्रम प्रभारी आशीष असाटी (आचार्य जी) द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना संपन्न कराई गई।

नगर भ्रमण पर निकली साईं की पालकी

दोपहर के समय श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का वितरण किया गया। शाम 4:00 बजे मंदिर प्रांगण से साईं नाथ महाराज की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई, जिसने पूरे नगर का भ्रमण किया। इस दौरान भक्तों ने उत्साह के साथ पालकी का स्वागत किया। शाम 6:30 बजे बाबा की महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

स्थापना दिवस पर रात्रि 7 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन आशिष आचार्य जी द्वारा किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर बालकृष्ण चौरसिया, विवेक चौरसिया, अभिषेक चौरसिया, महेंद्र चौरसिया, सुरेंद्र चौरसिया, सुदीप चौरसिया, मूंजी विश्वकर्मा, हरिप्रसाद चौरसिया, लकी चौरसिया, अरुण चौरसिया, किशन लाल असाटी, सुनील मास्टर, रामधनी चौरसिया और भूपेंद्र चौरसिया सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

जबलपुर-दमोह मार्ग पर हाईबीम व अतिरिक्त लाइटें बन रही हादसों की वजह

यातायात विभाग का चलाया जाए विशेष रात्रि जांच अभियान

नवभारत, बेलखाड़ू, जबलपुर। जबलपुर-दमोह मार्ग पर इन दिनों रात के समय हाईबीम और अतिरिक्त एलईडी/फॉग लाइटों का अत्यधिक उपयोग दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनता जा रहा है।

स्थानीय वाहन चालकों का कहना है कि सामने से आने वाली गाड़ियों की तेज रोशनी के कारण कुछ सेकंड के लिए आंखों के सामने अंधेरा छा जाता है, जिससे नियंत्रण खोने की आशंका बढ़ जाती है—और यही पल छोटे वाहनों के लिए सबसे खतरनाक साबित हो रहा है।

ये भी है समस्या

कई वाहन मालिक कंपनी द्वारा दी गई हेडलाइट के अलावा अतिरिक्त हाई-इंटेंसिटी एलईडी/ लाइट बार लगवा रहे हैं। शहर से बाहर निकलते ही चालक लगातार

हाईबीम पर गाड़ी चला रहे हैं। दोपहिया और छोटे चारपहिया वाहन चालकों को सामने से आती तेज रोशनी के कारण सड़क, गड्ढे या डिवाइडर स्पष्ट नहीं दिखते।

स्थानीय लोगों की शिकायत

स्थानीय निवासियों और रोज़ाना सफर करने वालों का कहना है कि रात 8 बजे के बाद इस मार्ग पर तेज रफ्तार और हाईबीम का चलन बढ़ जाता है। कई बार सामने से आ रहे ट्रक और एसयूवी की तेज रोशनी के कारण बाइक सवारों को किनारे उतरना पड़ता है।

यातायात विभाग से सवाल

जबलपुर-दमोह मार्ग पर रात्रि विशेष जांच अभियान चले, अनधिकृत लाइट लगाने वाले वाहनों पर कब सख्त कार्रवाई होगी?, क्या हाईवे पर जागरूकता अभियान और संकेतक बोर्ड लगाए जाएंगे?

क्या कहते हैं नियम

- शहर और घनी यातायात वाली सड़कों पर लो-बीम का उपयोग अनिवार्य है।
- वाहन में अनाधिकृत/आफ्टर मार्केट हाई-इंटेंसिटी लाइट लगाना नियमों के विरुद्ध है।
- नियम तोड़ने पर जुर्माना और चालान का प्रावधान है।

क्यों बढ़ता है हादसे का जोखिम

- तेज रोशनी से ग्लेयर (चमक) पैदा होती है, जिससे 2-5 सेकंड तक दृष्टि प्रभावित हो सकती है।
- हाई स्पीड के साथ यह छोटा सा समय भी गंभीर टक्कर में बदल सकता है।
- बारिश या धुंध में हाईबीम और भी ज्यादा खतरनाक साबित होती है।

विशेषज्ञों की सलाह

सामने वाहन दिखते ही तुरंत लो-बीम करें। अतिरिक्त लाइटें हटवाएं। तेज रोशनी से बचाव के लिए नजर सड़क की बाईं पट्टी पर रखें। जबलपुर-दमोह मार्ग पर बढ़ती हाईबीम और अतिरिक्त लाइटों की समस्या अब जनसुरक्षा का मुद्दा बन चुकी है। समय रहते यातायात विभाग द्वारा सख्त जांच और जागरूकता अभियान नहीं चलाया गया, तो छोटी लापरवाहियां बड़े हादसों में बदल सकती हैं।

आवश्यक सुरक्षा टिप्स

सामने वाली तेज रोशनी से आंखें कुछ सेकंड के लिए काम करना बंद कर देती हैं, जिससे वाहन का नियंत्रण खोने का खतरा होता है। वहीं हाई बीम के कारण सामने वाली गाड़ी की सटीक दूरी या गति का पता नहीं चलता, जिससे आमने-सामने की टक्कर होती है। इसके साथ ही ठण्ड में कोहरे या बारिश में हाई बीम लाइट नमी के कणों से टकराकर वापस ड्राइवर की आँखों पर पड़ती है, जिससे विजिबिलिटी शून्य हो जाती है।

गांधीग्राम में 40% तक महंगी हुई मस्ती, पर बाजार का जोश बरकरार

सिहोरा, नवभारत। फागुन की मस्ती और रंगों का उल्लास अब गांधीग्राम की फिजाओं में घुलने लगा है। कमानिया गेट से लेकर बस स्टैंड और कूड़ा कंजई तिराहे तक, पूरा कस्बा गुलाबी गुलाल और सतरंगी पिचकारियों से पट गया है। हालांकि इस बार महंगाई का रंग थोड़ा गहरा है, लेकिन गांधीग्राम के निवासियों का उत्साह इसे फीका करने के तैयार नहीं है।

बाजार में इस साल होली का सामान खरीदना जेब पर भारी पड़ रहा है। स्थानीय व्यापारियों, पंकज चौरसिया और संतोष चौरसिया ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार पिचकारियों और रंगों के दाम 30 से 40% तक बढ़ गए हैं। धनन्जय लखेरा के अनुसार, ट्रांसपोर्टेशन और कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण थोक भाव बढ़े हैं, जिसका सीधा असर फुटकर बाजार पर दिख रहा है।

इन ब्राण्डों में रही बच्चों की पहली पसंद

महंगाई के बावजूद बच्चों के लिए बाजार में वैरायटी की कोई कमी नहीं है। कमानिया गेट के बाजारों में स्पाइडरमैन, डोरेमोन और अवेंजर्स जैसे कार्टून कैरेक्टर्स वाली पिचकारियां बच्चों को लुभा रही हैं। इसके साथ ही डरावने और फनी मास्क (मुखौटों) की भी खासी मांग है।

10 बजे तक शांत करनी होगी होलिका की अग्नि

प्रशासन ने सुरक्षा और शांति व्यवस्था को देखते हुए गांधीग्राम में लगभग एक दर्जन से अधिक स्थानों पर होने वाले होलिका दहन के लिए समितियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

हुड़दंगियों पर रहेगी नजर

त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर है। दहन के समय समितियों के सदस्यों को मौके पर अनिवार्य रूप से मौजूद रहने को कहा गया है। मुख्य बाजारों और तिराहों पर भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त बल तैनात रहेगा। प्रशासन ने अपील की है कि त्योहार को भाईचारे के साथ मनाएं और नियमों का उल्लंघन न करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस बार 'हर्बल होली' मनाने की सलाह दी है। बाजार में मिल रहे डिब्बाबंद रासायनिक और चमकीले रंग त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। जानकारों का कहना है कि पक्के रंगों और रसायनों के बजाय प्राकृतिक गुलाल और फूलों से होली खेलना सुरक्षित है।

सिहोरा में भी सज गई रंग पिचकारी की दुकानें

होली पर्व के चलते इस वर्ष भी होलाष्टक लगते ही बाजार में रंग गुलाल पिचकारी की दुकानें सज गई रविवार को सिहोरा नगर सहित गोसलपुर के झंडा बाजार बस स्टैंड में रंग गुलाल पिचकारी खरीदने वाले ग्राहकों की काफी भीड़ देखी गई। माता-पिता के साथ पहुंचे छोटे बच्चों ने जमकर खरीदारी की। दुकानों में रंग गुलाल पेस्ट मुखौटा रंग-बिरंगे बैलून सतरंगी गुलाले कलर गन पिचकारी टोपी व अनेक प्रकार की सामग्री बाजारों में देखने को मिल रही हैं इन आकर्षक सामग्रियों की खरीदी करने के लिए बच्चे सुबह से लेकर देर रात तक बाजार में हलचल करते नजर आये वहीं व्यापारियों द्वारा पिछले दो-तीन वर्षों से पीले रंग की मिट्टी धुरेडी के दिन मांग बढ़ने से बड़ी बड़ी मात्रा में स्टाक किया गया है।

त्यौहार शांतिपूर्ण मनाने पर बनी रणनीति

रांझी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

नवभारत, जबलपुर। रविवार को रांझी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में रांझी सीएसपी सतीश साहू, थाना प्रभारी उमेश गुहलानी, नगर निगम के अधिकारी तथा शांति समिति के लगभग 60 सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर आवश्यक तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने नागरिकों से आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

निधन

कोमल चंद जैन (पड़रिया) का निधन

नवभारत, जबलपुर। कोमल चंद जैन का निधन रविवार को हो गया है। अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

पं. उमाकांत पांडे का निधन

दमोहनाका पंजाब बैंक कॉलोनी निवासी पं. उमाकांत पांडे का 65 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अंतिम संस्कार बनारस के मणिकर्णिका घाट में संपन्न हुआ।

इंदल पहलवान सोनकर का निधन

शिव पार्वती स्थित भरतीपुर निवासी इंदल पहलवान सोनकर का निधन हो गया है। वे मनोज, विनय, रोहित सोनकर के पिता रहे। अंतिम यात्रा आज निज निवास से दोपहर 12 बजे करियापाथर श्मशान घाट के लिए प्रस्थान करेगी।

परीक्षा के दौरान उड़न दस्ते को नहीं मिला एक भी नकल का प्रकरण

सिहोरा, नवभारत। स्थानीय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गांधीग्राम में कक्षा 8वीं की बोर्ड परीक्षा के दौरान विकासखंड स्तरीय उड़न दस्ते द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। बीआरसीसी सिहोरा के नेतृत्व में पहुंचे दल ने परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। 28 फरवरी को परीक्षा केंद्र पर कक्षा 8वीं के सामाजिक विज्ञान विषय का पेपर आयोजित किया गया। दोपहर 3:10 बजे जब निरीक्षण दल केंद्र पर पहुँचा, तब सभी परीक्षार्थी अपने-अपने डेस्क पर पूरी तन्मयता और शांति के साथ प्रश्न-पत्र हल करते हुए पाए गए। केंद्र की सांख्यिकीय जानकारी के अनुसार, यहाँ कुल 267 विद्यार्थी दर्ज हैं, जिनमें से आज 200 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 67 अनुपस्थित पाए गए। परीक्षा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कुल 09 परीक्षा कक्ष बनाए गए हैं, जहाँ 19 पर्यवेक्षकों की कड़ी निगरानी में छात्र परीक्षा दे रहे हैं। निरीक्षण दल प्रभारी बृजेश कुमार श्रीवास्तव (बीआरसीसी) एवं उनके सहयोगियों ने प्रत्येक कक्ष में जाकर छात्र-छात्राओं की सघन तलाशी ली। जांच के दौरान कोई भी आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। केंद्राध्यक्ष श्वेता राय और सहायक केंद्राध्यक्ष सीमा उपाध्याय के कुशल निर्देशन में किया जा रहा है। उड़न दस्ते में अश्वनी उपाध्याय (बीएसी), राकेश मिश्रा (बीएसी) और ओमप्रकाश तिवारी (सीएसी) जैसे अनुभवी अधिकारी शामिल थे, जिन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए अपने हस्ताक्षर और सील के साथ निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।